

रेवन की कुतिया

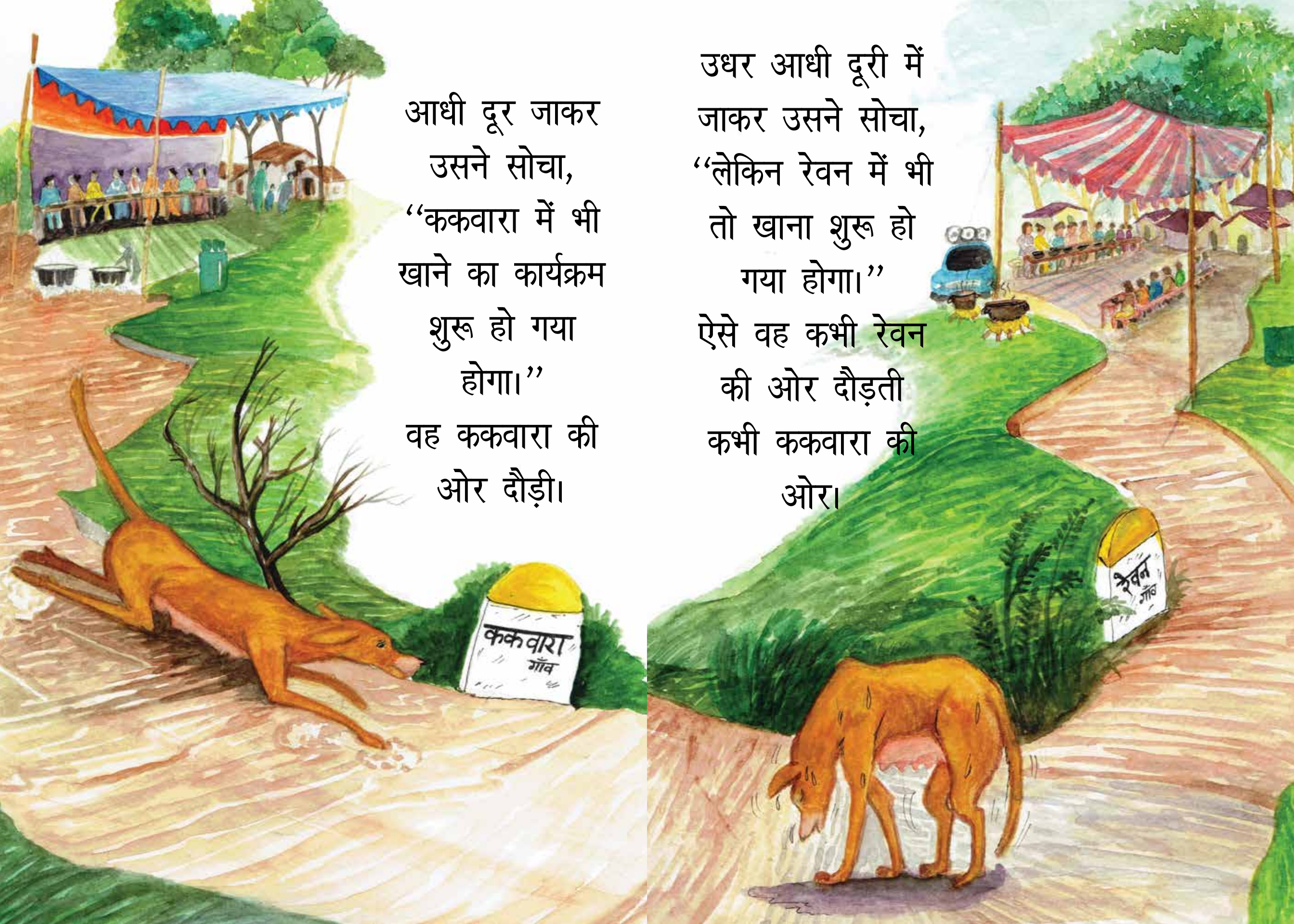
ऐसे भागते भागते
ही हाँफते हुए गिर
गई और मर गई।

रेवन, ककवारा दोनों
गाँवों में खाने का
कार्यक्रम था। कुतिया ने
सोचा, “रेवन में पहले
खा आऊँ।”

संपादन: प्रभात । चित्रांकन: हीरा धुर्वे

पठन कार्ड एल.एल.एफ. के “स्थानीय विकास कार्यक्रम” के तहत विकसित की गई है।

Designed by www.stelladesignandprint.com



आधी दूर जाकर
उसने सोचा,
“ककवारा में भी
खाने का कार्यक्रम
शुरू हो गया
होगा।”

वह ककवारा की
ओर दौड़ी।

उधर आधी दूरी में
जाकर उसने सोचा,
“लेकिन रेवन में भी
तो खाना शुरू हो
गया होगा।”

ऐसे वह कभी रेवन
की ओर दौड़ती
कभी ककवारा की
ओर।